समाचार

एमडब्ल्यूसी द्वारा विपदाओं में सद्भावपूर्ण सहायता

एमडब्ल्यूसी का प्रतिनिधिमण्डल मेनोनाइट ब्रदरन चर्च इन न्युवो होरिज़ोन्ट, पेरू के स्थानीय सदस्यों के साथः (पीछे की पंक्ति, बांए से) हेंक स्टेनवर्स (एमडब्ल्यूसी डीकन), पाब्लो स्टकी (एमडब्ल्यूसी क्षेत्रीय प्रतिनिधि), अन्टोनी सांचेज़ (ज्वाएंट रिसपांस कोआर्डिनेटर), जेसिका प्रेसिआडो, एलिज़ाबेथ कुंजाम (एमडब्ल्यूसी डीकन), गार्सिया डियाज़, येयसेला प्रेसियाडो, स्थानीय पासवान सिक्टो चिरोक्पाज़ो और उसका परिवार (बच्चे बांए सेः एंड्रियानो, रियाना एस्तर, और इसाई), और कॉंफ्रेंस लीडर एंटोनिया गार्सिया डोमिनगुएज (दाहिने)। फोटोः जोन्ना छापा

जारी करने की तारीखः शुक्रवार, 15 दिसम्बर 2017

''हमारे हृदय पूरी तरह से टूट चुके थे . . . परन्तु एमडब्ल्यूसी का धन्यवाद हो, जिनके अगुवे हमारी सुधि लेने आए और हमें ढाढ़स बंधाते हुए उत्साहित किया, और आशा और प्रेम का आश्वासन दिया।'' कॉंफ्रेंसिया पेरूना हेर्मानोस मेनोनाटास के अगुवे, एन्टोनिया गार्सिया डोमिंगुएज़ ने ये शब्द कहे।

मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस और मेनोनाइट संस्थाओं ने इस वर्ष विश्वव्यापी ऐनाबैपटिस्ट परिवार के सदस्यों पर आई विपदाओं का सामना करने के लिए विश्वास और एक हो कर उठाए गए कदम के साथ किया।

पेरू में अल नीनो के कारण आई भयानक बाढ़ ने दस लाख से भी अधिक पेरूवासियों के घरों और जीविकाओं को तहस नहस कर दिया। एक साथ मिलकर, मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी (एमसीसी), आईसीओएमबी (इन्टरनेशनल कम्युनिटी ऑफ ब्रदरन मेनोनाइट), एमबी मिशन और एमडब्ल्यूसी ने एन्टोनी सांचेज़ को छह माह के लिए नियुक्त किया कि वे आवश्यकताओं का अवलोकन करें, और स्थानीय कलीसियाओं को इस स्थिति का सामना करने के लिए प्रेरित करें, उन्हें प्रशिक्षित करें, और तैयार करें कि वे अपने समुदायों की सेवा कर सकें।

सांचेज़ बताते हैं कि ''पेरू के भाई बहन स्वीकार करने में बहुत आगे थे, उनमें सीखने और सहायता करने के लिए खुलापन और उत्सुकता थी। मैं उनके स्वप्नों को बल दे सका, और इन संस्थाओं के साथ मिलकर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में उनकी सहायता कर सका, और उनकी क्षमताओं और कौशल का उपयोग कर सका, इस दौरान मैंने इस बात को हमेशा स्मरण रखा कि हम एक विश्वव्यापी परिवार के सदस्य हैं। हम परमेश्वर के हाथों में है, और साथ ही साथ परमेश्वर के हाथ भी है जिससे कि हम दूसरों के मध्य उसकी उपस्थिति और आशीषों को ला सकें।''

एमडब्ल्यूसी के क्षेत्रीय प्रतिनिधि और ट्राऊमा (मानसिक आघात) विशेषज्ञ पाब्लो स्टकी ने अप्रेल में और एक बार फिर से डीकन

कमीशन के एक प्रतिनिधिमण्डल (हेंक स्टेनवर्स, एलिज़ाबेथ कुंजाम) के साथ अक्टूबर में यहाँ की यात्रा की।

डीआर काँगों में, पिछले वर्ष आदिवासी और राजनैतिक गुटों के बीच संघर्ष व्यापक रूप से फूट पड़ा, जिससे कि दस लाख से भी अधिक लोग अपने घरों से भागने को बाध्य हो गए, जब उनके सामने ही उनके परिवार या पड़ोस के लोगों को मार डाला गया।

कम्युनेटे मेनोनाइटा अउ काँगों (तीन मेनोनाइट कॉंफ्रेंसों में से एक) के हजारों सदस्य जंगल में रह रहे हैं या देश के अन्य भागों और सीमा पार कर अंगोला को भाग गए हैं, जहाँ वे शरणार्थी शिविरों में या स्थानीय मेनोनाइट परिवारों के घरों में पाहुनों के रूप में रह रहे हैं।

एमडब्ल्यूसी एमसीसी; मेनोनाइट मिशन नेटवर्क; एमबी मिशन; अफ्रीका इन्टर मेनोनाइट मिशन; कैसे डे सेकोर्स; मेनोनाइट चर्च कनाडा विटनेस; कोनफरेंज़ डेर मेनोनिटेन डेर स्वेज़ (अल्टॉफर), कॉंफ्रेंस मेनोनाइट सुइस्स (ऐनाबैपटिस्ट); और आईसीओएमबी के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से स्थानीय मानवीय सहायता से कांगों की कलीसियाओं और साझेदारों के माध्यम से लगभग 200 परिवारों की मदद कर रही है।

डीकन कमीशन का एक प्रतिनिधिमण्डल ऐसी योजना बना रहा है कि दिसम्बर डीआर काँगों की यात्रा करे।

डीकन कमीशन के अध्यक्ष हेंक स्टेनवर्स कहते हैं, ''डीकन कलीसियाओं के साथ चलते हैं, उनके अनुभवों को सुनते हैं, उनके लिए प्रार्थना करते हैं और यह प्रगट करते हैं कि विश्वव्यापी कलीसिया उनके साथ खड़ी है।''

अगस्त 2017 में, मानसून की बाढ़ ने नेपाल और भारत व बांग्लादेश के कुछ भागों को बहा दिया, जिससे कि लाखों लोग प्रभावित हुए और सैकड़ों मारे गए।

ऐनाबैपटिस्ट साझेदार एमसीसी और ब्रदरन इन कम्युनिटी वेलफेयर सोसाइटी 323 परिवारों की सहायता कर रही हैं कि फिर से उनकी जीविका (मछली पालन, सब्जी के बगीचे, और किचन गार्डन) का प्रबन्ध हो सके, साथ ही प्रभावितों को उनके सिर पर छत का प्रबन्ध करने के लिए समान और मच्छरदानी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना के तहत 15 बोरवेल खोदे जाएंगे और सात स्थानीय ब्रदरन इन ख्राइस्ट स्टाफ के परिवारों को उनके घरों की मरम्मत के लिए सहायता की जाएगी।

सांचेज कहते हैं, इन मेनोनाइट संस्थाओं का मिलकर कार्य करना, और एक साथ मिलकर कदम उठाना एकता की एक गवाही है। व्यवहारिक और आत्मिक रूप से वे एक ''सहक्रियाशील शक्ति का प्रदर्शन करते हैं। हमारे बीच कार्य करने वाली आत्मा और अधिक एकता उत्पन्न करती है, और इस विश्वास और भरोसे को बढ़ाती है कि परमेश्वर हमारा पालनहार है जो हमारी चिन्ता करता है।''

– मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस विज़प्ति